काशी विश्वनाथ कॉरिडोर

हाल ही में प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया है।

- परियोजना के हिस्से के रूप में 23 इमारतों- पर्यटक सुविधा केंद्र, वैदिक केंद्र, मुमुक्षु भवन, भोगशाला, शहर संग्रहालय, व्यूइंग गैलरी, फूड कोर्ट आदि का उद्घाटन किया गया है।

//

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
    - वर्ष 1780 ईस्वी के बाद पहली बार इंदौर की मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने काशी विश्वनाथ मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र का जीर्णोद्धार करवाया था।
    - इसकी नींव मार्च, 2019 में रखी गई थी। इस परियोजना की परिकल्पना तीर्थयात्रियों के लिये आसानी से सुलभ मार्ग स्थापित करने हेतु की गई थी, जिन्हें गंगा में डुबकी लगाने और मंदिर में पवित्र नदी का पानी चढ़ाने के लिये भीड़भाड़ वाली सड़कों से गुजरना पड़ता था।
    - परियोजना पर काम के दौरान 40 से अधिक प्राचीन मंदिरों को फिर से खोजा गया। उनकी मूल संरचना में कोई बदलाव नहीं करते हुए उन्हें बहाल किया गया।

- **महत्त्व:**
    - यह प्रतिष्ठित **काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा नदी के घाटों** को जोड़ता है।
        - **काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों** में से एक है।
        - मंदिर पवित्र **गंगा नदी के पश्चिमी तट** पर स्थित है और **बारह ज्योतिर्लिंगों** में से एक है जो **शिव मंदिरों में सबसे पवित्र** है।
    - यह तीर्थयात्रियों और यात्रियों को चौड़ी, साफ-सुथरी सड़कें तथा गलियाँ, चमकदार स्ट्रीट लाइट के साथ बेहतर रोशनी एवं स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाएँ प्रदान करके पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kashi-vishwanath-corridor